12-03-2000

दिलतख्तनशीन वह है जिसके दिल में बाप समाया हुआ हो

आज बापदादा के पास पहुँची और बापदादा को अपनी मीठी दादी जानकी जी का समाचार सुनाया और याद प्यार दिया। बापदादा बहुत-बहुत मीठी दृष्टि से मिलन मना रहे थे और बोले – बच्ची तो आदि से ही दिलतख्तनशीन है। सदा बाप के दिल में समाई रहती है और बाप को दिल में समाकर रखती है। बाकी थोड़ा बहुत तो इस बाड़ी रूपी गाड़ी को रिपेयर कराना ही पड़ता है। पुरानी गाड़ी से काम लेना है और बड़ी आसामी है तो बड़ी आसामी की गाड़ी को ज़रा भी कुछ होता है तो फौरन रिपेयर होती है। तो यह भी थोड़ा बहुत रिपेयर कराना पड़ता है। अच्छी हिम्मत वाली है। सर्व की स्नेही है, सबका प्यार ही दोनों दादियों को चला रहा है।

बाकी विदेश वालों को भी याद तो आती है लेकिन स्नेह और दुआओं का सहयोग देना ही स्नेह है। ऐसे कहते बापदादा ने बहुत-बहुत मीठी दृष्टि दी और अपने में समा दिया और कहा – यह तो बेफिकर बादशाह है, सबको भी बेफिकर बनाने वाली है। अच्छा – ओमशान्ति।